बालिका विद्यापीठ लखीसराय *(811311)*

वर्ग - प्रथम दिनांक - *17/07/2020*

विषय - सह - शैक्षणिक कार्य

एक नगर में दो बिल्लियां रहती थी । एक दिन उन्हें एक रोटी का टुकड़ा मिला । वे दोनों आपस में लड़ने लगी , वे उस रोटी के टुकड़े को दो समान भागों में बांटना चाहती थी। लेकिन उन्हें कोई ढंग नहीं मिल पाया । उसी समय वहां से एक बंदर गुजर रहा था वह बहुत ही चालाक था उसने बिल्लियों से लड़ने का कारण पूछा बिल्लियों ने उसे सारी बात सुनाई । बंदर तुरंत तराजू ले आया और बोला लाओ मैं तुम्हारी रोटी को बराबर बांट देता हूं । उसने रोटी के दो टुकड़े लेकर एक - एक पलड़े में रख दिए । वह बंदर

जब तराजू में रोटी को तोलता तो जिस पलड़े रोटी अधिक होती बंदर उसे थोड़ी - सी खा लेता । इस प्रकार थोड़ी - सी रोटी रह गई । बिल्लियों ने अपनी रोटी वापस मांगी । लेकिन बंदर ने शेष बची रोटी भी मुंह में डाल ली । फिर बिल्लियां उसका मुंह देखती रह गई ।

इस कहानी से शिक्षा

बचपन से आपने सुना होगा कि कभी भी हमें आपस में झगड़ा नहीं करना चाहिए । कोई भी दोस्त या परिवार तब तक मजबूत होता है , जब तक होश में आपसी प्यार और विश्वास होता है ।

एक बार जब वह आपस में लड़ने लग जाते हैं तो इससे दूसरे लोग भी फायदा उठाते हैं , और वह इस लड़ाई को बड़ा बना कर अपना मुनाफा ढूंढ लेते हैं । इसलिए लड़ने से अच्छा है एक साथ रहना , किसी भी मुसीबत को मिलकर दूर करना।

ज्योति